सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

मूल्य ₹ 3/-

● वर्षः 9 ● अंकः 157 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 14 जुलाई, 2023

मन में धीरज रखने से सब कुछ होता है। अगर कोई माली किसी पेड़ को सौ घड़े पानी से सींचने लगे तब भी फल तो ऋतु आने पर ही लगेगा!

-कबीर दास

वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत का 'यशस्वी'... 7 | बंगाल में दीदी का कमाल, 24 में... 3 | मुस्लिमों को साधने के लिए अखिलेश... 2

महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष को 'सुप्रीम' नोटिस

अयोग्यता मामले में बढ़ सकती हैं शिंदे गुट की मुश्किलें

» कोर्ट ने दो हफ्तों में स्पीकर से मांगा जवाब

» उद्धव गुट के विधायक सुनील प्रभु ने मामले में देरी होने पर दायर की थी याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र की सियासत में मची हलचल अभी थमने का नाम नहीं ले रही है। महाराष्ट्र की सियासत में आए दिन कुछ ऐसा घट जाता है जिससे एक बार फिर राज्य की सियासत में ऊफान आ जाता है। एनसीपी में टूट और शिंदे गुट के भविष्य की चर्चाओं के बीच आज सुप्रीम कोर्ट ने शिंदे गुट के 16 विधायकों को अयोग्य घोषित करने के मामले पर सुनवाई की। जिसके बाद कोर्ट ने महाराष्ट्र विधानसभा स्पीकर को नोटिस भेज दिया है और दो हफ्ते में जवाब भी मांगा है।

दरअसल, मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गुट के विधायक सुनील प्रभु की याचिका पर सुनवाई करते हुए आज महाराष्ट्र विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर को नोटिस जारी कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने ये नोटिस सीएम एकनाथ शिंदे समेत बागी नेताओं की अयोग्यता के मामले पर ये नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई 2 हफ्ते बाद होगी।

पिछली सुनवाई में कोर्ट ने विधानसभा अध्यक्ष पर छोड़ा था फैसला

बता दें कि इससे पहले 11 मई को मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया था कि अगर उद्धव ठाकरे फ्लोर टेस्ट से पहले इस्तीफा न देते तो उनकी सरकार को बहाल किया जा सकता था। लेकिन अब ऐसा नहीं हो सकता। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने गवर्नर और स्पीकर की भूमिका पर सख्त टिप्पणी की थी। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल के फ्लोर टेस्ट को गलत भी ठहराया था। इसी दौरान सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा था कि अब विधायकों के भविष्य पर फैसला स्पीकर करेंगे। कोर्ट ने कहा था कि अब स्पीकर को शिवसेना के 16 बागी विधायकों पर जल्द फैसला करना चाहिए। लेकिन इस फैसले को दो महीने बीत जाने के बाद भी स्पीकर ने कोई फैसला नहीं लिया। इसलिए अब उद्धव गुट ने सुप्रीम कोर्ट में फिर याचिका दी थी। जिस पर आज कोर्ट ने सुनवाई कर विधानसभा स्पीकर को नोटिस जारी कर दिया है।

उद्धव गुट का आरोप-विधानसभा अध्यक्ष जानबूझकर कर रहे देरी

उद्धव ठाकरे गुट के नेता सुनील प्रभु ने अपनी याचिका में कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के सहयोगी विधायकों की अयोग्यता का मामला स्पीकर के पास काफी समय से लंबित है। विधानसभा अध्यक्ष जानबूझकर इस मामले में देरी कर रहे हैं। याचिका में आरोप लगाया गया है कि स्पीकर राहुल नार्वेकर कोर्ट के 11 मई के फैसले के बावजूद जानबूझकर फैसले में देरी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध करते हैं, स्पीकर से जल्द फैसला लेने के लिए कहें। अयोग्यता संबंधी याचिकाएं एक साल से अधिक समय से लंबित हैं। बता दें कि सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस मनोज मिश्रा की तीन जजों की बेंच इस मामले में सुनवाई कर रही है।

सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने ईडी-सीबीआई को किया तलब

दोनों सरकारी एजेंसियों को कोर्ट ने भेजा नोटिस

» 28 जुलाई को होगी मामले की अगली सुनवाई

» हाईकोर्ट से दो बार याचिका खारिज होने के बाद सर्वोच्च न्यायालय पहुंचे मनीष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शराब घोटाले में घिरे दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई।

सुनवाई के दौरान उच्चतम न्यायालय ने सीबीआई और ईडी को नोटिस जारी कर दिया है। अब मामले की अगली सुनवाई 28 जुलाई को होनी तय हुई है। गौरतलब है कि सिसोदिया शराब घोटाला मामले में लगभग 5 महीना पहले गिरफ्तार हुए थे। इस दौरान हाईकोर्ट उनकी जमानत याचिका खारिज कर चुका है।

हाईकोर्ट से जमानत खारिज होने के बाद ही दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। 10 जुलाई को वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के सामने यह मामला रखा था और तत्काल सुनवाई की मांग की थी, जिसे सीजेआई ने स्वीकार कर लिया था।

आबकारी नीति मामले में आरोपी हैं सिसोदिया

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) दिल्ली में आबकारी नीति में कथित अनियमितता को लेकर जांच कर रहा है। ये मामला मनीष सिसोदिया के उपमुख्यमंत्री कार्यकाल का है। उस दौरान सिसोदिया के पास आबकारी विभाग का भी जिम्मा था। सीबीआई ने आबकारी घोटाले में कथित भूमिका के लिए उन्हें आरोपी बनाया था। इसी साल 26 फरवरी को मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार किया गया था, तब से वे जेल में हैं।

हाईकोर्ट से दो बार लग चुका है झटका

जमानत को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट से मनीष सिसोदिया को दो बार झटका लग चुका है। 30 मई को हाई कोर्ट ने जमानत देने से इनकार कर दिया था। अदालत ने कहा था कि सिसोदिया उच्च पद पर थे। ऐसे में वे यह नहीं कह सकते कि आबकारी नीति मामले में उनकी कोई भूमिका नहीं है। इसके पहले तीन जुलाई को आबकारी नीति से ही जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में हाई कोर्ट ने सिसोदिया की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी।

मुस्लिमों को साधने के लिए अखिलेश यादव ने की 'दावत-ए-आम'

सपा के कद्दावर नेता आजम खां के साथ खाए मलिहाबाद के आम

» आम के बहाने आजम को मनाने की कवायद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए अब सभी दलों ने अपनी-अपनी सियासी बिसात बिछानी शुरू कर दी है। इसी क्रम में समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव भी अपनी रणनीति पर काम करने में लग गए हैं। इसी क्रम में अब वो अपने पुराने वोट बैंक मुस्लिमों को साधने में जुट गए हैं।

अखिलेश जिस तरह से लाव-लश्कर के साथ दो दिन पहले पार्टी के कद्दावर नेता आजम खां के साथ मलिहाबाद में आम की दावत में पहुंचे थे, उसे लेकर सियासी गलियारों में उनकी 'मैंगो डिप्लोमेसी' की खूब चर्चा है। आजम खां के साथ अखिलेश की मैंगो पार्टी 'दावते आम' थी या 'दावते सियासत' यह चर्चा का विषय है। आम

के बहाने अरसे बाद आजम खां की सिक्रयता सपा को सुकून देने वाली है। इस समय सभी दलों में मुस्लिम सियासत को लेकर अधिक सक्रियता देखने को मिल रही है। सपा, बसपा व कांग्रेस के साथ ही भाजपा तक मुस्लिम वर्ग को साधने में जुटी है। वही, सियासी गलियारों में मुस्लिम समुदाय के कांग्रेस की तरफ झुकाव बढ़ने की अटकलें शुरू हो गई है। इस तरह की अटकलों से सपा खेमे में बेचैनी दिख रही है। खास तौर से पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को अपने बेस वोट बैंक को सहेजने को लेकर चिंता सताने लगी है। मुस्लिम सियासत का बड़ा चेहरा होने के नाते आम चुनावों में सपा को आजम की सक्रियता का लाभ मिल सकता है। माना जा रहा है कि इसके तहत ही अखिलेश किसी न किसी बहाने यह संदेश देना चाहते हैं कि मुस्लिम समुदाय आज भी सपा के साथ वैसे ही मजबूती से खड़ा है। इसी कड़ी में उन्होंने पार्टी में सबसे प्रभावशाली माने जाने वाले मुस्लिम चेहरे आजम खां के साथ आम खाने पहुंचे थे। आम खाने के बहाने अखिलेश ने आजम के नाराज होने की चर्चाओं को भी विराम देने की कोशिश की है।

एसटीएफ का नाम 'स्पेशल टमाटर फोर्स' कर देना चाहिए

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव बीजेपी सरकार पर निशाना साधने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। इसी क्रम में अखिलेश यादव ने यूपी पुलिस के स्पेशल टास्क फोर्स एसटीएफ का नाम बदल कर सरकार पर निशाना साधा है। सपा मुखिया ने अपने ट्वीट के जरिये कहा कि अब एसटीएफ का नाम बदलकर 'स्पेशल टमाटर फोर्स' कर देना चाहिए। अखिलेश यही नहीं रुके उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा सस्ते दामो पर टमाटर बेचने की खबर पोस्ट करते हुए निशाना साधा। उन्होंने लिखा कि पहले तो जमाखोरों और काला बाजारियों की जेबें भरवाकर जनता को लूट लिया। अब चले हैं सस्ते टमाटर बेचने। अखिलेश ने लिखा कि भाजपा की दिखावटी दुकान अब और नहीं चलेगी। इसके साथ ही ट्वीट में यूपी में लोकसभा चुनाव में अस्सी हराओ भाजपा हटाओ का हैशटैग भी चलाया है।

प्रदेश में जलभराव पर सपा प्रमुख ने कसा तंज

उत्तर प्रदेश में बारिश और बाढ़ से उपजे हालात पर तंज कसते हुए अखिलेश यादव ने ट्विटर पर जलजमाव का वीडियो शेयर कर तैराकी के लिए राज्य सरकार की अस्थायी व्यवस्था पर चुटकी ली। सपा प्रमुख ने कहा कि उत्तर प्रदेश के स्वीमिंग पूलों में पानी की कमी की वजह से भावी तैराक तैराकी सीखने से वंचित रह गए थे। सपा मुखिया के मुताबिक राज्य सरकार ने 'स्मार्ट एआई दिमाग' लगाकर सड़क पर भावी तैराकों के लिए अस्थायी व्यवस्था की है। उन्होंने चुटकी लेते हुए आगे कहा कि देखते हैं कौन सा विदेशी अखबार या शख्स राज्य सरकार के दिमाग की सराहना करता है। गौरतलब है कि प्रदेश में पिछले एक सप्ताह से भारी बारिश की वजह से कई जगहों पर जलभराव की समस्या सामने आ रही है।

अग्निवीर योजना के विरोध में पदयात्रा निकालेगी उत्तराखंड कांग्रेस

» राहुल और प्रियंका भी होंगे यात्रा में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तराखंड के शीर्ष कांग्रेस नेताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी के साथ दिल्ली स्थित पार्टी कार्यालय पर बैठक की। इस बैठक में लोकसभा चुनावों के लिए पार्टी की तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, पीसीसी अध्यक्ष करण महरा, हरक सिंग रावत, यशपाल आर्य और राज्य के एआईसीसी प्रभारी देवेंद्र यादव शामिल थे। बैठक में अग्निवीर योजना के खिलाफ उत्तराखंड में पद यात्रा निकालने की भी योजना बनाई गई।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि उत्तराखंड कुमाऊं और गढ़वाल रेजीमेंट का घर है। यहां का हर जवान फौज में जाना चाहता

है। बचपन से ही इसके सपने देखता है। अग्निवीर योजना से उनके सपनों को नुकसान हुआ है। इसके विरोध में हम पूरे राज्य में पदयात्रा निकालेंगे। करन माहरा ने कहा कि अग्निवीर योजना के नाम पर युवाओं के साथ जो छल हुआ है उसके विरोध में कांग्रेस पूरे उत्तराखंड में पदयात्रा निकालेगी और युवाओं और उत्तराखंड के लोगों के बीच जाएगा।

तीन तलाक कानून से मामलों में आई कमी

» केरल के राज्यपाल का दावा- 96 फीसदी कम हुईं तलाक की घटनाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा तीन तलाक को बैन करने और दंडनीय अपराध बनाने पर केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने एक बड़ा दावा किया है। केरल के गवर्नर ने कहा कि 2019 में तीन तलाक को दंडनीय अपराध बनाए जाने के बाद से मुसलमानों में इसकी दर में 96 फीसदी की कमी आई है और इससे महिलाओं व बच्चों को फायदा हुआ है।

समान नागरिक संहिता पर एक सेमिनार को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी पूछा कि क्या यह अजीब नहीं है कि जब कोई न्याय मांगता है तो पहले धर्म का जिक्र करना पड़ता है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड द्वारा यूसीसी पर अपनी आपत्तियां विधि

आयोग को भेजे जाने पर आरिफ मोहम्मद ने कहा कि हर किसी को अपनी राय व्यक्त करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि विधि आयोग ने सुझाव मांगे हैं और मुझे पूरी उम्मीद है कि जो भी सुझाव आएंगे, उन पर विधि आयोग और सरकार पूरा ध्यान देगी। यूसीसी विवाह, तलाक और विरासत पर कानूनों के एक सामान्य सेट को संदर्भित करता है जो धर्म, जनजाति या अन्य स्थानीय रीति-रिवाजों के बावजूद सभी भारतीय नागरिकों पर लागू होगा।

तीन तलाक से बर्बाद हो जाता था महिलाओं का भविष्य

राज्यपाल ने 1980 के दशक के शाह बानो मामले का भी जिक्र किया। उन्होंने मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम 2019 की प्रशंसा की, जो मुसलमानों में तीन तलाक के माध्यम से तत्काल तलाक की प्रथा को दंडनीय अपराध बनाता है, जिसमें तीन साल तक की कैद का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि कैसे 2017 में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के बाद से दो साल लग गए। शीर्ष अदालत ने 3:2 के बहुमत से फैसला सुनाया था कि मुस्लिमों में तीन तलाक की प्रथा 'अमान्य', 'अवैध' और 'असंवैधानिक' है। खान ने कहा कि क्या आप जानते हैं कि फैसले के बाद तीन तलाक एक दिन भी नहीं रुका। उन्होंने कहा कि तलाक पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया है, और इसे प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता है, तीन तलाक पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, और इसे दंडनीय अपराध बनाने का परिणाम यह है कि मुस्लिम समुदाय में तलाक की दर में 96 फीसदी की कमी आई है और इससे न केवल महिलाओं को फायदा हुआ, बल्कि उन बच्चों को भी फायदा हुआ जिनका भविष्य पहले तलाक के कारण बर्बाद हो जाता था।

रवि किशन ने बंगाल को बताया मिनी पाकिस्तान

» भाजपा सांसद ने पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव में हुई हिंसा को बताया दुखदायक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

झांसी। बंगाल में पंचायत चुनाव के दौरान कई स्थानों पर भारी हिंसा देखने को मिली। जिसको लेकर सियासत भी होनी शुरू हो गई। अब पंचाय चुनावों के दौरान हुई हिंसा की घटनाओं को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए गोरखपुर से भाजपा सांसद रवि किशन ने बड़ा बयान दिया है। भाजपा सांसद ने कहा कि पश्चिम बंगाल अब मिनी पाकिस्तान बन गया है, जिसे देख बहुत बुरा लगता है।

उन्होंने कहा कि चुनाव में इतनी हिंसा के बावजूद पश्चिम बंगाल में भाजपा ने 10 हजार से अधिक सीटें जीतीं। निजी दौरे पर झांसी आए सांसद रवि किशन ने झांसी-ललितपुर क्षेत्र के सांसद अनुराग शर्मा के आवास पर पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में हालात लगातार बिगड़ रहे हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या की जा रही है। आतंक का ऐसा माहौल बना दिया गया है कि भाजपा कार्यकर्ताओं को पलायन करना पड़ गया है। यह कार्यकर्ता असम में शरण ले रहे हैं। इसके बावजूद जनता अब भाजपा के साथ है। पंचायत चुनाव में इतनी हिंसा के बावजूद भाजपा ने 10 हजार से अधिक सीट पर जीत दर्ज की। लोकसभा चुनाव पर सांसद ने कहा कि लोकसभा चुनाव भारत निर्वाचन आयोग की देखरेख में होते हैं। आयोग वहां सेना लगाकर चुनाव कर लेगा, इसलिए हिंसा नहीं होगी और शांति से चुनाव हो जाएंगे। चुनाव से पहले विपक्षी एकजुटता पर भी सांसद ने करारा प्रहार करते हुए कहा कि 60 साल विपक्ष ने सरकार चलाई और सिर्फ अपने महल बनाए, लेकिन मोदी सरकार ने जनता के लिए काम किया। अगले 30-40 साल भाजपा का समय है और भाजपा की सरकार रहेगी।

30-40 साल रहेगी भाजपा की सरकार

मेरी बेटी देश का रोल मॉडल : रवि किशन

सिने अभिनेता से राजनीति का सफर तय करने वाले सांसद रवि किशन ने अपनी बेटी को देश का रोल मॉडल बताया। उन्होंने कहा कि बिटिया इशिता शुक्ला स्नाइपर शूटर है। 4 साल तक एनसीसी कैडेट के रूप में उसने प्रैक्टिस की और 26 जनवरी को प्रधानमंत्री के सामने परेड में शामिल हुई। मेरी बेटी मुझसे भी बड़ी स्टार है और देश की बेटियों के लिए रोल मॉडल बन गई है। उसने बेटियों को बोझ समझने वाली मानसिकता को ध्वस्त किया।

बंगाल में दीदी का कमाल, 24 में दिखेगी ताकत

भाजपा दूसरे नंबर पर, कांग्रेस व वामदलों ने भी दिखाया दम

» पंचायत चुनाव में सबसे ज्यादा सीटों पर कब्जा

» मंत्रियों की खामियां उजागर की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। बंगाल पंचायत चुनाव के परिणामों ने यह दिखा दिया कि पश्चिम बंगाल में अभी ममता बनर्जी व तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी)को दूर-दूर तक कोई चुनौती नहीं दे सकता है। बंगाल दीदी का जलवा व जादू ऐसा चला की केंद्र की मोदी सरकार में मंत्रियों तक के गढ़ों में उनकी पार्टी को झटके लगे हैं। निशित प्रमाणिक, जॉन बरला और शांतनु ठाकुर के गृहक्षेत्रों में टीएमसी ने जीत हासिल की है। बस केवल सुवेंदु अधिकारी के नंदीग्राम में बीजेपी को कुछ सीटें मिली है। पंचायत चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने जिला परिषद की 928 सीटों में 880 जीतीं जबकि बीजेपी 31 सीटों पर जीत हासिल की। टीएमसी ने 63,229 ग्राम पंचायत सीटों में से 35 हजार से अधिक पर जीत दर्ज की।

पंचायत चुनाव नतीजों से संकेत मिलता है कि टीएमसी ने भारतीय जनता पार्टी के कनिष्ठ केंद्रीय मंत्रियों निशिथ प्रमाणिक, जॉन बारला और शांतनु ठाकुर के गृह क्षेत्रों में गहरी खामियां उजागर कर दी हैं। भाजपा राज्य के विपक्षी नेता सुवेंदु अधिकारी के गृह क्षेत्र नंदीग्राम-एम में केवल मामूली बढ़त हासिल कर पाई। चुनाव आयोग के आंकड़े देखें तृणमूल कांग्रेस ने जिला परिषद की कुल 928 सीट में से 880 अपने नाम की। बीजेपी ने 31 सीटों पर जीत हासिल की। कांग्रेस और वाम गठबंधन ने 15 सीट जीतीं और बाकी दो सीट अन्य उम्मीदवारों ने जीती। एसईसी के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस ने 63,229 ग्राम पंचायत सीट में से 35 हजार से अधिक पर जीत दर्ज कर ली है।बारला के गृह क्षेत्र, लखीपारा चाय बागान क्षेत्र में भाजपा हार गई। पार्टी सभी पांच ग्राम पंचायत सीटें हार गई। हालांकि, बारला ने दावा किया कि स्ट्रांगरूम में रखे जाने के बाद मतपेटियां बदल दी गईं। बारला का निर्वाचन क्षेत्र अलीपुरद्वार 2019 के लोकसभा चुनावों के बाद से भाजपा का गढ़ रहा है।

निशिथ प्रमाणिक के गढ़ में हार

कनिष्ठ गृह मंत्री निसिथ प्रमाणिक के गढ़ कूचबिहार में बुधवार देर रात तक बीजेपी टीएमसी से काफी पीछे चल रही थी। 2,507 ग्राम पंचायत सीटों में से टीएमसी ने 1,834 सीटें हासिल कीं और बीजेपी 615 सीटें हासिल करने में सफल रही। 383 पंचायत समिति सीटों में से टीएमसी ने 301 सीटें हासिल कीं, जबकि बीजेपी ने 81 पर अपना कब्जा बरकरार रखा। 34 जिला परिषदों में से 32 टीएमसी के पास गईं, जबकि बीजेपी को केवल दो सीटें मिलीं।

सुवेंदु अधिकारी ने बचाई लाज

बीजेपी ने नंदीग्राम में शुरुआत में बढ़त हासिल की, 9 ग्राम पंचायतों में जीत हासिल की, जबकि टीएमसी ने 7 पर जीत हासिल की, मंगलवार देर रात मतदान के रुझान बदलने शुरू हो गए। नंदीग्राम में, टीएमसी ने 30 में से 15 पंचायत समितियों पर कब्जा कर लिया, जबकि बीजेपी ने 14 सीटें हासिल कीं। हालांकि, नंदीग्राम में, अधिकारी ने सात पंचायत समितियों में टीएमसी को रोक दिया, जबकि बीजेपी ने 14 सीटें जीतीं। टीएमसी ने नंदीग्राम में सभी तीन जिला परिषदों पर कब्जा कर लिया। नंदीग्राम ब्लॉ में, बीजेपी ने दो जिला परिषदें जीतीं, जबकि टीएमसी को एक भी नहीं मिला। तृणमूल प्रवक्ता कुणाल घोष ने ट्वीट किया, वे नंदीग्राम (2021 विधानसभा चुनाव में) में 1956 वोटों से बढ़त की कहानियां सुनाते थे। जिला परिषद में बीजेपी टीएमसी से 10,457 वोटों से पीछे चल रही है।

सांसद शांतनु ठाकुर को भी लगा झटका

भाजपा ठाकुरनगर के मटुआ बेल्ट में भी हार गई - जो बोंगांव सांसद और कनिष्ठ केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर का क्षेत्र है। शांतनु और उनके भाई सुब्रत ठाकुर, भाजपा के गायघाटा विधायक, गायघाटा ब्लॉक के इच्छापुर ग्राम पंचायत में रहते हैं। इच्छापुर में टीएमसी उम्मीदवार रीता मंडल अपनी पकड़ बनाए रखने में कामयाब रहीं। बोंगांव उपमंडल में टीएमसी ने 34 पंचायतें जीतीं, जबकि भाजपा को चार पंचायतें मिलीं।

लोकसभा चुनाव में टीमएसी को मिलेगा लाभ

भाजपा ने करीब 10 हजार सीट पर जीत दर्ज की है। कांग्रेस और वाम गठबंधन ने करीब छह हजार सीट अपने नाम की। तृणमूल का मकसद ग्रामीण चुनाव में बड़ी जीत हासिल करना था, जिससे 2024 के संसदीय चुनाव से पहले वह अपने ग्रामीण आधार को मजबूत करने के साथ ही शहरी मतदाताओं को इसके परिणामों से आश्वस्त कर सके। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में तृणमूल को 12 सीट पर जीत मिली थी, वहीं भाजपा 18 लोकसभा सीट जीतने में कामयाब रही थी। इसके बाद तृणमूल ने 2021 के विधानसभा चुनाव में अच्छी वापसी की। 294 सदस्यीय विधानसभा में उसने 215 सीट पर जीत दर्ज की और बहुमत के साथ सत्ता में आई। भाजपा के खाते में 77 सीट आई थीं। त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव के लिए लगभग 74,000 सीट पर मतगणना कड़ी सुरक्षा के बीच मंगलवार सुबह आठ बजे शांतिपूर्ण तरीके से शुरू हुई थी।

नीतीश ने जिनको दिखाई राह, उन्ही ने दी आह

जीतन, कुशवाहा, आरसीसपी जैसे नेताओं को दी मजबूती, बाद में छोड़ा साथ

विपक्ष की एकजुटता में दिखाई जिम्मेदारी

टूट गया चार दोस्तों का साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 2024 लोक सभा चुनाव में विपक्षी एकता के सिरमौर बने हैं। वे इस कवायद में लगें है कि आगामी चुनाव में मोदी सरकार को सता से बेदखल कर दिया जाए और विपक्ष की सरकार लाई जाए। उनकी यह मेहनत कितना रंग लाती है ये तो चुनाव परिणाम पर निर्भर है। पर नीतीश कुमार के साथ एक अलग तरह का इतिहास जुड़ा है। अपने राजनीतिक जीवन में उन्होंने ने कई साथी बनाए पर वे साथी मौके पर उनका साथ छोड़कर या तो दूसरे दल में चले गए या अपनी नई पार्टी बना ली। दरअसल, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हाल में कहा था कि कि उन्होंने जिसे आगे बढ़ाया उसने ही धोखा दिया।

नीतीश का राजनीतिक सफर बताता है कि चार दशक के दौरान छोटे-बड़े दर्जनों नेताओं ने साथ छोड़ा। नीतीश का राजनीतिक सफर बताता है कि चार दशक के दौरान छोटे-बड़े दर्जनों नेताओं ने साथ छोड़ा। जीतनराम मांझी, पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा एवं आरसीपी सिंह का नाम लिया, लेकिन सूची यहीं तक सीमित नहीं है।

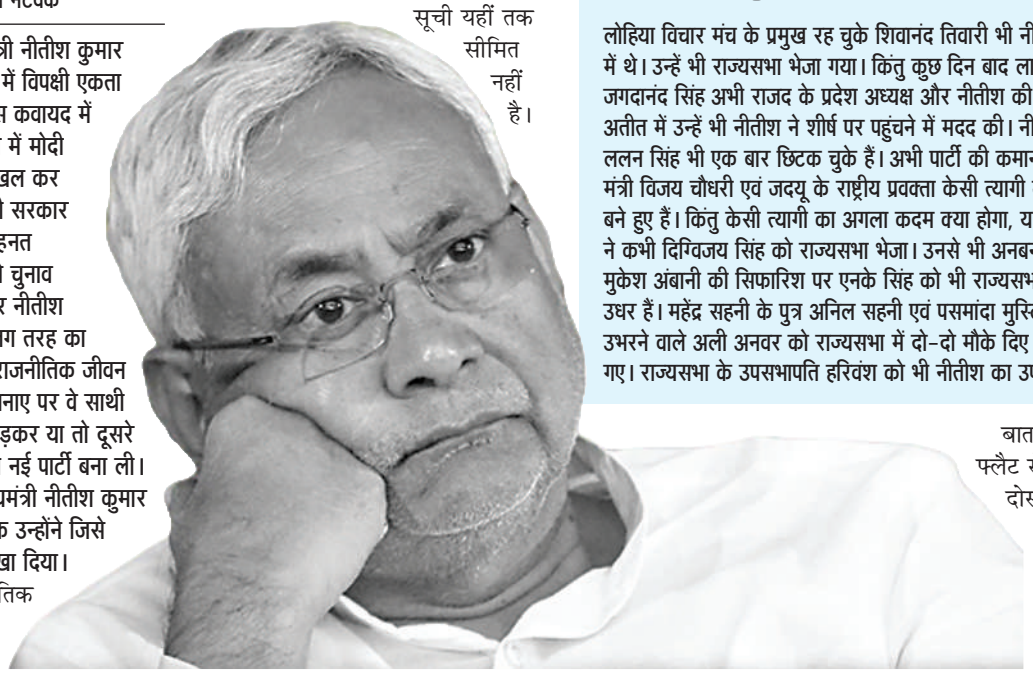

कई दिग्गजों से हो चुकी है अनबन

लोहिया विचार मंच के प्रमुख रह चुके शिवानंद तिवारी भी नीतीश के साथ समता पार्टी में थे। उन्हें भी राज्यसभा भेजा गया। किंतु कुछ दिन बाद लालू के पास लौट आए। जगदानंद सिंह अभी राजद के प्रदेश अध्यक्ष और नीतीश की नीतियों के आलोचक हैं। अतीत में उन्हें भी नीतीश ने शीर्ष पर पहुंचने में मदद की। नीतीश के बचपन के मित्र ललन सिंह भी एक बार छिटक चुके हैं। अभी पार्टी की कमान उन्हीं के हाथ में है। मंत्री विजय चौधरी एवं जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता केसी त्यागी जरूर लंबे समय से साथ बने हुए हैं। किंतु केसी त्यागी का अगला कदम क्या होगा, यह समय बताएगा। नीतीश ने कभी दिग्विजय सिंह को राज्यसभा भेजा। उनसे भी अनबन हो गई। उद्योगपति मुकेश अंबानी की सिफारिश पर एनके सिंह को भी राज्यसभा भेजा। अब वह इधर-उधर हैं। महेंद्र सहनी के पुत्र अनिल सहनी एवं पसमांदा मुस्लिम की राजनीति से उभरने वाले अली अनवर को राज्यसभा में दो-दो मौके दिए। बाद में दोनों विरोधी हो गए। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश को भी नीतीश का उपकृत माना जाता है।

नीतीश की पार्टी से निकले अन्य दल

बिहार में सक्रिय चार दलों की जड़ें भी नीतीश कुमार से ही निकली हैं। जनता दल को तोड़कर समता पार्टी की पटकथा तो नीतीश ने ही लिखी थी। जीतनराम मांझी की पार्टी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) की उत्पत्ति के पीछे भी नीतीश की कृपा ही है। मांझी को नीतीश ने ही मुख्यमंत्री बनाया। बाद में अलग होकर पार्टी बना ली। राष्ट्रीय लोक जनता दल के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा पर नीतीश की दो-दो बार कृपा बरसी। पहले विधानसभा में प्रतिपक्ष का नेता बनाया। राज्यसभा भी भेजा। किंतु उन्होंने भी साथ नहीं दिया। अलग होकर लोकसमता पार्टी बनाई एवं केंद्र में मंत्री बने। 2019 में हारने के बाद फिर नीतीश के साथ आए और एमएलसी बने। किंतु दो वर्ष होते-होते साथ छोड़ दिया।

बात पटना के 32 नंबर विधायक फ्लैट से 1977 से शुरू होती है। चार दोस्त थे। विजय कृष्ण, बशिष्ठ नारायण सिंह एवं बालमुकुंद शर्मा के साथ नीतीश कुमार। बारी-बारी से चारों बिखर गए। विजय कृष्ण ने तो 2004 में बाढ़ संसदीय क्षेत्र से नीतीश को हराया भी। बशिष्ठ नारायण जरूर अभी साथ हैं, किंतु एक दौर ऐसा भी आया जब समता पार्टी का विलय जदयू में होने लगा तो उन्होंने साथ नहीं दिया। यहां तक कि नीतीश के विरुद्ध अभियान भी चलाया। बालमुकुंद का रास्ता भी अलग हो गया। नीतीश के कभी करीबी रहे कई नेता आजकल लालू प्रसाद की टीम में भी हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सरकारी आंकड़ों पर सटीक जानकारी मिले

सरकारी योजनाओं पर सवाल उठना कोई नई बात नहीं है। सरकारें योजनाएं बनातीं है और उसके बाद उसकी सुध लेना भूल जाती है उसके बाद वह योजनाएं लालफीताशाही की भेंट चढ़ जाती हैं। मोदी सरकार योजनाओं में पारदर्शिता की बड़-बड़े दावे करती है पर सबमें धांधली कभी न कभी उजागर हो ही जाती है। अब नया मामला देश की आर्थिक योजनाओं को बनाने में आकंड़ों की भूमिका पर आया है। ये आंकड़े ही आर्थिक नीति निर्माण से जुड़ी चुनौतियों से निपटने का रास्ता दिखाते हैं। ऐसे में सरकारी आंकड़ों की गुणवत्ता पर सवाल उठ गए हैं। ऐसे में इस तरह के सवाल उठने का संकेत ठीक नहीं है। देश में सरकारी आंकड़ों की गुणवत्ता का सवाल गहराता जा रहा है। पिछले चार महीनों में प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के तीन सदस्य इस पर चिंता जता चुके हैं। ध्यान रहे, आंकड़ों पर सवाल पहले भी उठते रहे हैं, लेकिन खास बात यह है कि अब ये सवाल सिस्टम के भीतर से ही उठाए जा रहे हैं। इसके पीछे वजहें जो भी हों, यह इस लिहाज से महत्वपूर्ण है कि अब इस समस्या को हल करने की दिशा में प्रयास शुरू होने की उम्मीद बढ़ गई है। यह जरूरी भी है क्योंकि इन आंकड़ों से ही आर्थिक नीति निर्माण से जुड़ी चुनौतियां स्पष्ट होती हैं।

विश्वसनीय आंकड़ों के बगैर नीतियां बनाना अंधेरे में तीर चलाने जैसा है। जहां तक सवाल इस समस्या का है तो हमारे स्टैटिस्टिकल सिस्टम में गड़बड़ी दो स्तरों पर है। एक तो यह कि प्राइमरी डेटा इकट्ठा करने में टाइमटेबल का सख्ती से पालन नहीं किया जाता। इस संबंध में सबसे बड़ा उदाहरण जनगणना में हो रही देरी का है। यह सही है कि इसकी एक वजह कोरोना महामारी से बनी अप्रत्याशित और अभूतपूर्व परिस्थितियां भी रहीं, लेकिन उस चुनौती को खत्म हुए अरसा हो गया। जनगणना में इतनी देर बेहद गंभीर मसला है, लेकिन बात वहीं तक सीमित नहीं है। कंज्यूमर एक्सपेंडिचर सर्वे और इकॉनमिक सेंसस में भी विलंब हो रहा है। इनका असर मंथली इन्फ्लेशन रीडिंग और जीडीपी डेटा पर भी हो रहा है। दूसरी गड़बड़ी हमारे डेटा में यह है कि यूजर्स की ओर से इसकी क्वॉलिटी को लेकर शिकायतें आ रही हैं। अगर इन दोनों गड़बड़ियों को समग्रता में देखें तो डेटा के मामले में हम खुद को बड़ी कमजोर स्थिति में पाते हैं। खतरा यह है कि इस स्थिति में हम अपनी समस्याओं और उनसे निपटने के उपायों के बारे में सबकुछ जानते समझते भी गलत नीतियां अपना लेंगे सिर्फ इस वजह से कि इनसे जुड़े आंकड़े दुरुस्त नहीं हैं। वैसे यह बात भी ध्यान में रखने की है कि ये गड़बड़ियां आज की नहीं हैं। ये काफी समय से हैं और धीरे-धीरे बढ़ती रही हैं।

विश्वसनीय आंकड़ों के बगैर नीतियां बनाना अंधेरे में तीर चलाने जैसा है। जहां तक सवाल इस समस्या का है तो हमारे स्टैटिस्टिकल सिस्टम में गड़बड़ी दो स्तरों पर है। एक तो यह कि प्राइमरी डेटा इकट्ठा करने में टाइमटेबल का सख्ती से पालन नहीं किया जाता। इस संबंध में सबसे बड़ा उदाहरण जनगणना में हो रही देरी का है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अर्थव्यवस्था में गुलाबी परिदृश्य की उम्मीद

सतीश सिंह

मौजूदा समय में अमेरिका सहित लगभग तमाम विकसित देशों के शेयर बाजार में बिकवाली का दौर जारी है। उतार-चढ़ाव के साथ-साथ शेयर बाजार गोते भी लगा रहा है। कोरोना महामारी, भू-राजनीतिक संकट, रूस-यूक्रेन युद्ध, कच्चे तेल की ऊंची कीमत की वजह से विकसित देशों में शेयर बाजार की हालत खस्ता है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में नरमी है। कुछ देशों में मंदी के आसार हैं। इसके ठीक उलट भारतीय शेयर बाजार में विगत कुछ महीनों से उछाल की स्थिति बनी हुई है। 4 जुलाई को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 274 अंकों की बढ़त के साथ 65,479 पर बंद हुआ। अपने शुरुआती कारोबार में बीएसई 381.55 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 65,586.60 अंकों के स्तर पर पहुंच गया। साल के अंत तक सेंसेक्स 70,000 के स्तर पर पहुंच सकता है।

21 जून को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) या निफ्टी अपने उच्चतम स्तर 18,887 तक भले ही पहुंच नहीं सका, लेकिन यह अब तक के उच्चतम स्तर 18,640 के आसपास रहा। फिर, 28 जून को यह 19,000 के स्तर को पार कर गया। चार जुलाई को यह 90.95 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 19,413.50 अंकों पर पहुंच गया। जानकार बताते हैं निफ्टी इस साल के अंत तक 21,000 के स्तर पर पहुंच सकता है। शेयर बाजार में लगातार उछाल से पिछले 3 महीनों में शेयर बाजार के निवेशकों की संपत्ति में 40 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। शेयर बाजार में उछाल का कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों और विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) द्वारा ज्यादा निवेश करना है। इसमें अमेरिका और यूरोप के निवेशकों की संख्या अधिक है। जून महीने में विदेशी निवेशकों ने भारत में 47 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया था। विदेशी निवेशकों द्वारा भारत के बाजार में निवेश करने से चीन की परेशानी बढ़ रही है, क्योंकि चीन का बाजार कम निवेश होने से ठंडा पड़ता जा रहा है। विदेशी निवेशक चीन के बाजार से लगातार पैसा निकाल रहे हैं, जिसका कारण चीन का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों का नरम एवं निर्माण एवं विनिर्माण क्षेत्र का सुस्त रहना है। इसके कारण चीन की अर्थव्यवस्था पहले से कुछ कमजोर हो गई है। चीन में जनवरी-फरवरी महीने में विदेशी निवेशकों ने अच्छा-खासा निवेश किया था, लेकिन बाद के महीनों में निवेशकों ने 34 हजार करोड़ रुपये से अधिक राशि निकाल ली। अभी

विदेशी निवेशक चीन की जगह भारत में निवेश करना बेहतर मान रहे हैं, क्योंकि फिलहाल, भारत की अर्थव्यवस्था चीन से अधिक मजबूत है। फिलवक्त, भारत में निवेश करने के लिए अनुकूल माहौल है। विदेशी निवेशक तो इसका फायदा उठा ही रहे हैं, घरेलू निवेशक भी इसका फायदा उठा सकते हैं। वर्ष 2025 तक अर्थव्यवस्था के 3 ट्रिलियन से 5 ट्रिलियन होने की बात कही जा रही है। एचएसबीसी की हालिया रिपोर्ट में भारतीय अर्थव्यवस्था के 5 से 10 सालों में 7 ट्रिलियन होने की बात कही गई है। भारतीय अर्थव्यवस्था में तेज रिकवरी का दौर जारी है। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में मुसलसल सुधार आ रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 की अंतिम तिमाही में जीडीपी के 4.2 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया था, लेकिन यह 6.1 प्रतिशत रही। वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर में बेहतरी आने से पूरे वित्त वर्ष की वृद्धि दर में भी सुधार दर्ज किया गया है। पहले वित्त वर्ष 2022-23 में एमपीसी ने जीडीपी के 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया था, जो वास्तविकता में 7.2 प्रतिशत रही।

दरअसल, डिजिटलाइजेशन हो जाने के कारण शेयर ब्रोकरों की जरूरत नहीं होती है। कोई भी निवेशक खुद से स्मार्टफोन के जरिये शेयरों की खरीद-बिक्री कर सकता है। भारत में बीएसई और एनएसई या निफ्टी नाम के दो प्रमुख शेयर बाजार हैं। शेयर बाजार में बांड, म्यूचुअल फंड और डेरिवेटिव भी खरीदे-बेचे जाते हैं। आमतौर पर ज्यादा प्रतिफल मिलने की आस में घरेलू-विदेशी निवेशक शेयर के रूप में कंपनियों में निवेश करते हैं, लेकिन अर्थतंत्र की समझ न होने या फिर कंपनियों के वित्तीय परिणाम का सही विश्लेषण नहीं करने या फिर आर्थिक, राजनीतिक कारणों का शेयर बाजार पर क्या या कैसा प्रभाव पड़ेगा, की समझ न होने की से निवेशकों को नुकसान उठाना पड़ता है। इसलिये, अगर कोई निवेशक शेयर बाजार में निवेश करना चाहता है तो उसे सतर्क और शेयर बाजार में सूचीबद्ध कंपनियों पर पैनी नजर रखने की जरूरत है। शेयर की कीमत में उतार-चढ़ाव से निवेशकों को नुकसान के साथ देश की अर्थव्यवस्था पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। विदेशी निवेशकों द्वारा बिकवाली करने से एफडीआई में कमी आती है। इसके अभाव में देश की विकास दर, रोजगार, आर्थिक गतिविधियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। हालांकि, अभी शेयर बाजार में निवेश का अनुकूल माहौल है, जिसका फायदा सभी देशी एवं विदेशी निवेशकों को उठाना चाहिए।

शिखर सम्मेलन से भारतीय कूटनीति को संबल

जी. पार्थसारथी

मध्य एशिया में महत्वपूर्ण भूमिका रखना भारत के लिए एक जटिल किंतु रोचक कार्य रहा है। मुख्यत: इसलिए क्योंकि चीन की पश्चिमी सीमा से लेकर रूस के मध्य-दक्षिणी छोर तक फैले मध्य एशियाई देशों के साथ भारत की जलीय अथवा थलीय सीमाएं साझा नहीं हैं। भारत से मध्य एशिया तक पहुंचने का सबसे सुगम रास्ता फिलहाल ईरान से होकर है। शीत युद्ध की समाप्ति और सोवियत संघ के विघटन के बाद भारत ने सोवियत संघ के पूर्व घटक रहे चार मध्य एशियाई मुल्कों यानी कजाखस्तान, ताजिकिस्तान, किर्गीजस्तान और उजबेकिस्तान (और यह मुगल शासक बाबर का मूल स्थान भी है) के साथ संबंधों के महत्व को समझा। पहुंच मार्ग की मुश्किलें मध्य एशियाई गणराज्यों से आर्थिक और अन्य रिश्ते उतने प्रगाढ़ न होने के पीछे मुख्य वजह रही है।

शंघाई सहयोग संगठन की स्थापना 15 जुलाई, 2001 को शंघाई में हुई थी। इसके सदस्यों में रूस, चीन, भारत, पाकिस्तान (नया सदस्य) के अलावा उपरोक्त वर्णित चार मध्य एशियाई गणराज्य हैं। भारत को काफी संतोष है कि ईरान ने भी शंघाई सहयोग संगठन की सदस्यता ले ली है और भारत ने इसका स्वागत किया है। भारत और ईरान ने कुछ समय पहले संयुक्त रूप से चाहबहार बंदरगाह को विकसित करने का काम पूरा किया है। इस बंदरगाह से होकर भारत को मध्य एशिया तक पहुंचने की सीधी राह खुलती है और पाकिस्तान की जरूरत नहीं पड़ती। कोई हैरानी नहीं कि पाकिस्तान ने भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया से व्यापार के वास्ते पहुंच मार्ग की अनुमति देने में जानबूझकर देरी की या फिर इंकार करता आया है। लिहाजा भारत को मध्य एशिया से व्यापार के लिए ज्यादा महंगा और अधिक वक्त खपाने वाला व्यापारिक राह चुनना पड़ा। अब ईरान द्वारा शंघाई सहयोग संगठन की सदस्यता लेने के बाद चाहबहार बंदरगाह अब मध्य एशिया तक पहुंचने का न केवल भारत बल्कि अन्य देशों के लिए भी मुख्य आवाजाही केंद्र बनेगा।

शंघाई सहयोग संगठन के मध्य एशियाई सदस्यों पर अभी भी रूस का काफी प्रभाव है और वहां रूसी भाषा काफी बोली जाती है। हालांकि चीन जटिल निर्माण कार्य एवं यातायात परियोजनाएं बनाने की दक्षता के बलबूते धीमे-धीमे किंतु दृढ़ता से रूस के इन पड़ोसियों पर अपना असर बढ़ाने में लगा है। चीन मध्य एशिया क्षेत्र के प्रचुर खनिज एवं तेल स्रोतों का दोहन करने में काफी दिलचस्पी ले रहा है। बेशक रूस-चीन के बीच फिलहाल 'भाई-भाई' वाला रिश्ता है, लेकिन इतना पक्का है कि रूस को अपने आस-पड़ोस में चीन का बढ़ता प्रभाव रास नहीं आने वाला, खासकर जब मामला मध्य एशियाई गणतंत्रों का हो या फिर उनके खनिज और तेल स्रोतों तक चीन की आसान पहुंच बनने का हो। शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन से साफ दिखता है कि रूस-चीन के मौजूदा संबंध किस दिशा में हैं।

भारत नयी दिल्ली में आगामी 9-10 सितम्बर को जी-20 शिखर सम्मेलन करवाने से पहले शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन का आयोजन एक सफल संगठनात्मक अभ्यास रहा है। वर्तमान संकेतों के मुताबिक इस शिखर सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सभी पांच स्थाई देश भाग लेंगे, इनके अलावा, उत्तर एवं दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप, ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका, यूरोपियन यूनियन और अरब की खाड़ी की मुख्य आर्थिक शक्तियां भी भाग लेंगी। दुनिया के लिए यह अवसर इस दृष्टि से भी रोचक होगा कि राष्ट्रपति पुतिन और शी जिनपिंग के साथ राष्ट्रपति बाइडेन और उनके यूरोपियन यूनियन सहयोगी क्या एक मंच पर होंगे, बशर्ते शी जिनपिंग अपनी जगह किसी और को न भेजें। लेकिन शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के मामले में यह तय है कि नई दिल्ली का यह सम्मेलन दुनियाभर का ध्यान खींचेगा। सबसे अहम, भारत ने चीन द्वारा प्रायोजित बहुप्रचारित 'बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव' (जो पाक अधिकृत कश्मीर से होकर गुजरती है) के प्रशंसा-प्रस्ताव के लिए हुए मतदान में अनुपस्थित रहने की त्वरित और दृढ़ प्रतिक्रिया दिखाई है क्योंकि भारत को एतराज है कि यह सड़क उस इलाके में बन रही है जिसको पाकिस्तान ने कब्जाया हुआ है। अगले ही दिन, ताइवान ने घोषणा कर दी कि वह मुम्बई में आर्थिक एवं सांस्कृतिक केंद्र खोलने जा रहा है जो कि नई दिल्ली और चेन्नई के वर्तमान केंद्रों की अगली कड़ी है। हालांकि, भारत वास्तव में जो चाहता है, वह है, ताइवान के ज्ञान-भंडार से देश में सेमीकंडक्टर उत्पादन शुरू करना और जिसकी इकाइयां देशभर में बनें।

जाहिरा तौर पर, भारत को यह साफ करने की जरूरत थी कि आतंकवाद को पाकिस्तान का निरंतर संरक्षण होने के कारण ऐसे देश के खिलाफ सख्त कदम उठाने की जरूरत है। प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद प्रायोजक सत्ताओं की कड़ी निंदा की है। रोचक है कि चीन और रूस ने सम्मेलन में संवाद के लिए अंग्रेजी भाषा को दरकिनार करते हुए चीनी और रूसी भाषा को तरजीह दी है। तथापि भारत ने अंतर्राष्ट्रीय रिवायत के अनुसार अपना काम-काज अंग्रेजी भाषा में जारी रखना चुना। हालांकि मोदी का सम्मेलन को संबोधन हिंदी भाषा में रहा। यह शिखर सम्मेलन कोई ऐसा भी नहीं था कि धरती हिल उठती, लेकिन इससे छवि उभरती है कि चीन और रूस की जुगलबंदी क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मामलों पर अपना दृष्टिकोण हावी रखने का कोई अवसर नहीं छोड़ना चाहती।

खाना है कुछ हल्का तो बनाएं काठियावाड़ी खिचड़ी

हर भारतीय घर में खिचड़ी खाना हर कोई पसंद करता है। अक्सर ऐसा देखने को मिलता है कि, जब लोग दिन भर पेट भर-भर के हैवी खाना खाते हैं, तो रात के वक्त वो हल्का खाना ही पसंद करते हैं। हल्के खाने में खिचड़ी एक ऐसा ऑप्शन है जो खाने में भी स्वादिष्ट होती है और आसानी से भी बन जाती है। कई जगह पर खिचड़ी काफी सादे तरीके से खाई जाती है, जो खाने में ज्यादा मजेदार नहीं होती। ऐसे में आज हम आपको ऐसी खिचड़ी की रेसिपी बताने जा रहे हैं, जिसको आपके घर में हर कोई बड़े चाव से खाएगा। हम बात कर रहे हैं काठियावाड़ी खिचड़ी की, जिसका नाम सुनते ही लोगों के मुंह में पानी आ जाता है। इसे बनाना ज्यादा मुश्किल नहीं है। इसे बनाते समय आप इसका स्वाद बढ़ाने के लिए कई तरीके की सब्जियों का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। इसे आप गर्मागर्म परोस कर अपने घर वालों को खुश कर सकती हैं।

सामग्री

चावल-1 कटोरी, मूंगदाल-1 कटोरी, प्याज-1, अदरक कद्दूकस- 1, टी स्पून, लहसुन कलियां-4-5, हरी लहसुन कटी - 1, टेबलस्पून, हरी मिर्च कटी- 1, टमाटर-1, आलू - 1, मटर-1/2 कटोरी, हरा धनिया बारीक कटा - 3 टेबलस्पून, जीरा-1 टी स्पून, तेल-4 टेबलस्पून, नमक- स्वादानुसार, हल्दी-1/2 टी स्पून, लाल मिर्च पाउडर- 1 टेबलस्पून, गरम मसाला-1/2 टी स्पून।

विधि

काठियावाड़ी खिचड़ी बनाने के लिए सबसे पहले मूंग की दाल और चावल को अच्छे से साफ करके धो लें और पानी में भिगों दें। इसके बाद आलू, प्याज और टमाटर के छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। अब एक कुकर लेकर इसमें भिगोए हुए दाल-चावल डालें। साथ ही में आलू, मटर दाने, हल्दी और हल्का नमक डालें। जितना दाल-चावल आपने लिया है उसका चार गुना पानी कुकर में डालकर इसमें तीन से चार सीटी लगने दें। जब ये पक जाए तो एक कड़ाही में तेल गर्म करके उसमें जीरा, लहसुन के टुकड़े, अदरक कसा हुआ और हींग डालकर भूनें। अच्छे से मसाले भुन जाने के बाद प्याज और लहसुन डाल कर पकाएं। जब ये भी पक जाए तो इसमें कटे टमाटर, हरी मिर्च, गरम मसाला डालकर इसे भी अच्छे से ही पकाएं। सभी सामानों के पक जाने के बाद इसमें थोड़ा पानी डालें। पानी में जब अच्छे से उबाल आ जाए तो इसमें पकी हुई खिचड़ी डाल दें। इस खिचड़ी को आपको दो से तीन मिनट के लिए अच्छे से पकाना है। जब ये पक जाए तो ऊपर से धनिया पत्ती डाल कर इसे गर्मागर्म ही परोसें। इसके साथ आप चटनी, अचार और पापड़ भी सर्व कर सकती हैं।

मूंग दाल से बनाएं स्वादिष्ट पकवान

बारिश का मौसम किसे पसंद नहीं होता। अब जब भीषण गर्मी के बाद बारिश का मौसम आ गया है, तो लोग इस मौसम का जमकर आनंद ले रहे हैं। लोग घूमने जा रहे हैं, स्वादिष्ट पकवान खा रहे हैं। बरसात का मौसम ऐसा होता है कि तरह-तरह की चीजें खाने का मन करता है, पर बाहर का खाना आपकी तबियत बिगाड़ सकता है। ऐसे में महिलाएं इस मौसम में घर पर ही हर पकवान बनाने की कोशिश करती हैं। ये सभी पकवान दाल से बने होंगे तो इसे खाने से आपके परिवार और आपको किसी तरह की कोई परेशानी नहीं होती।

चना दाल के पकौड़े

ये पकौड़े खाने में काफी स्वादिष्ट लगते हैं। इसे बनाना भी काफी आसान है। अगर आप चाहें तो अपने घर पर आसानी से बना सकती हैं। यह पकोड़े दाल से बने वड़ा से थोड़े अलग होते हैं।

डोसा

अगर आप चाहें तो अपने घरवालों के लिए मूंग डाल का डोसा बना सकती हैं। ये खाने में काफी स्वादिष्ट लगता है। ये काफी हेल्दी होता है। इसे आप हरे धनिए की चटनी के साथ परोसेंगी तो खाने का स्वाद कई गुना बढ़ जाएगा।

दाल वड़ा

अगर आप चाहें तो चना दाल वड़ा को ट्राई कर सकती हैं। इसको सुबह या शाम के नाश्ते में परोसा जा सकता है। यदि आप इसे बिना प्याज के बनाना चाहते है , तो स्वाद को बढाने के लिए उसमें थोड़ी सौंफ जरूर डालें ।

मेदू वड़ा

मेदू वड़ा के बारे में तो हर कोई जानता है कि ये साउथ की लोकप्रिय और मशहूर डिश है। इसे आप सांभर, चटनी, दही समेत किसी भी चीज के साथ खा सकते हैं।

ढोकला

अगर आपको ढोकला पसंद है तो आप मूंग दाल ढोकला बना सकती हैं। ये एक बेहद ही स्वादिष्ट और पौष्टिक ढोकला है जिसे साबुत मूंग, हर्ब्स और कुछ मसालों से बनाया जाता है।

हंसना मना है

एक नेता जी नाव से कहीं जा रहे थे कि अचानक जोरदार तूफान आया और उनकी नाव पलट गई। नेता जी को तैरना नहीं आता था। उन्होंने भगवान से प्रार्थना की, ईश्वर अगर मुझे बचा लेंगे, तो मैं गरीबों में 21 किलो लड्डू बाटूंगा। फिर जोर से हवा चली और एक बड़ी से लहर के साथ एक पेड़ बहता हुआ आ गया। नेता जी ने उसका सहारा लेकर तैरने लगे। जब किनारा नजदीक आया, तो चिल्लाए, कौन से लड्डू, कैसे लड्डू? फिर जोर से एक लहर आई और उनके हाथ से लकड़ी छूट गई। नेता जी बोले, अरे भड़क क्यों रहे हो? मैं तो बस ये पूछ रहा हूं कि लड्डू बेसन के या बूंदी के?

बंता- तेरी बीवी ने तुझे घर से क्यों निकाला? संता- भाई तेरे कहने पर उसे चैन गिफ्ट की थी, इसीलिए निकाला। बंता- चांदी की थी क्या? संता- नहीं साइकिल की थी।

कहानी — चोरी की सजा

जब जेन मास्टर बनकेइ ने ध्यान करना सिखाने का कैंप लगाया तो पूरे जापान से कई बच्चे उनसे सीखने आये। कैंप के दौरान ही एक दिन किसी छात्र को चोरी करते हुए पकड़ लिया गया। बनकेइ को ये बात बताई गयी, बाकी छात्रों ने अनुरोध किया की चोरी की सजा के रूप में इस छात्र को कैंप से निकाल दिया जाए पर बनकेइ ने इस पर ध्यान नहीं दिया और उसे और बच्चों के साथ पढ़ने दिया। कुछ दिनों बाद फिर ऐसा ही हुआ, वही छात्र दुबारा चोरी करते हुए पकड़ा गया। एक बार फिर उसे बनकेइ के सामने ले जाया गया, पर सभी की उम्मीदों के विरूद्ध इस बार भी उन्होंने छात्र को कोई सजा नहीं सुनाई। इस वजह से अन्य बच्चे क्रोधित हो उठे और सभी ने मिलकर बनकेइ को पत्र लिखा की यदि उस छात्र को नहीं निकाला जायेगा तो हम सब कैंप छोड़ कर चले जायेंगे। बनकेइ ने पत्र पढ़ा और तुरंत ही सभी छात्रों को इकट्ठा होने के लिए कहा आप सभी बुद्धिमान हैं। बनकेइ ने बोलना शुरू किया, आप जानते हैं की क्या सही है और क्या गलत। यदि आप कहीं और पढ़ने जाना चाहते हैं तो जा सकते हैं, पर ये बेचारा यह भी नहीं जानता की क्या सही है और क्या गलत। यदि इसे मैं नहीं पढ़ाऊंगा तो और कौन पढ़ायेगा? आप सभी चले भी जाएं तो भी मैं इसे यहां पढ़ाऊंगा। यह सुनकर चोरी करने वाला छात्र फूट-फूट कर रोने लगा। अब उसके अन्दर से चोरी करने की इच्छा हमेशा के लिए जा चुकी थी।

कहानी से सीख- हमें इस कहानी से यह सीख मिलती है कि किसी अपराध की सजा हमेंशा दण्ड देना ही नहीं होता है बल्कि उसे माफ करके भी सुधारा जा सकता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको नये लोगों से जुड़ने का मौका मिल सकता है। किसी खास व्यक्ति से आपको कोई बड़ा फायदा हो सकता है।

वृषभ — आज आपको वे काम करने चाहिए, जो आपके स्वास्थ्य और सौन्दर्य में सुधार करने में मदद करें। काम में दिलचस्पी बनाए रखने के लिए खुद को शांत रखें।

मिथुन — आज आपको सतर्क और सावधान रहना चाहिए, क्योंकि आज आप समस्याओं का सामना कर सकतें हैं। आपकी सेहत भी बिगड़ सकती है।

कर्क — आज परिवार वालों के साथ कहीं घूमने का प्लान बना सकते हैं। आपको किसी अजनबी से अपनी बातों को शेयर करने से बचना चाहिए।

सिंह — आज अपनी वाणी पर संयम रखें। आपकी सेहत में उतार-चढ़ाव आ सकते हैं। नौकरी के दौरान सहजता महसूस कर सकते हैं। आज कारोबार के लिए शुभ योग बन रहे हैं।

कन्या — आज आप अपने आत्मविश्वास के स्तर में वृद्धि देखेंगे। नयी साझेदारी या नए उद्यम में प्रवेश करने के लिए अच्छा समय है, जो भविष्य में अति लाभदायक साबित होगा।

तुला — आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आपको किसी मामले में बड़ा निर्णय लेना पड़ सकता है। आप अपने कार्यों में सफल होने की पूरी कोशिश करेंगे।

वृश्चिक — आज आपके आसपास के लोग आपसे किसी न किसी मामले पर सलाह ले सकते हैं। मित्रजनों से संबंध मधुर होंगे। आपकी सक्रियता का स्तर बढ़ सकता है।

धनु — तीव्र प्रगति के बावजूद आपको धीरे-धीरे आगे बढ़ने और व्यवस्थित रूप से काम करने की आवश्यकता है। आपको अनुशासित रहना चाहिए।

मकर — आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। परिवार में सुख-शांति का माहौल बना रहेगा। आप अपने सहपाठियों के साथ कहीं बाहर घूमने का प्लान बना सकते हैं।

कुम्भ — आज घर को सजाने-संवारने के लिए अपने खाली समय का उपयोग करें। आज प्रॉपर्टी में मिले-जुले असर के बावजूद प्रोफेशन और आर्थिक मामले में फायदा मिलने की उम्मीद है।

मीन — व्यावसायिक सन्दर्भ में नए व्यापार संबंधों और सौदों में उद्यम करने के लिए एक अनुकूल अवधि है। आर्थिक स्थिति शुभ रहेगी। आप रोमांटिक संपर्क के मामले में भाग्यशाली रहेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

पूरी रात मेरे साथ बिताना चाहता था प्रोड्यूसर : सुचित्रा कृष्णामूर्ति

सिंगर सुचित्रा कृष्णामूर्ति इस समय अपने एक इंटरव्यू के कारण सुर्खियों में आ गई हैं। एक्ट्रेस ने इस बार अपने कास्टिंग काउच के अनुभव पर बात की है। सुचित्रा ने बिना किसी का नाम लिए बताया कि एक बार एक निर्माता-निर्देशक ने उनसे ऐसी मांग कर दी थी कि उनकी आखों से आंसू बहने लगा था। इसके बाद वह तुरंत वहां से भाग गईं। सुचित्रा ने बताया कि वह एक बार एक होटल में एक बड़े प्रोड्यूसर से मिली थीं। एक्ट्रेस ने कहा, उन दिनों होटलों में मुलाकात करना बहुत आम होता था। मैं जब उस निर्माता-निर्देशक से मिली तो उन्होंने मुझसे पूछा कि आप परिवार में किसके सबसे ज्यादा करीब हैं? अपनी मां या पिताजी? मैंने उनसे कहा कि मैं अपने पिता के बहुत करीब हूं। इसके बाद उन्होंने मुझसे जो कहा उसे सुनकर मेरे लिए आंसू रोकना मुश्किल हो गया था। सुचित्रा ने आगे बताया, उस फिल्ममेकर ने मुझसे कहा कि एक काम करो अपने डैडी को कॉल करो और बोलों की मैं कल सुबह तुम्हें ड्रॉप कर दूंगा। ये सुनकर मैं दंग रह गई। फिर मैंने अपना सामान उठाया और तुरंत वहां से भाग गई। मुझे कुछ देर तो समझ ही नहीं आया कि वह क्या बोल रहे हैं। मुझे लगा अभी तो 4-5 बजे हैं फिर सुबह तक मैं क्या करूंगी। फिर समझ आया, लेकिन ऐसा बहुत होता था। गौरतलब है कि सुचित्रा कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं, लेकिन उन्हें 1994 में रिलीज हुई फिल्म कभी हां कभी ना से दर्शकों के बीच एक खास पहचान हासिल हुई। इसके बाद उन्होंने 1999 में फिल्मकार शेखर कपूर से शादी कर घर बसा लिया और फिल्मों को पूरी तरह से अलविदा कह दिया। हालांकि, कुछ समय ही दोनों का तलाक हो गया। हाल ही में एक्ट्रेस ने शेखर के साथ अपने तलाक पर भी खुलकर बात की है। एक्ट्रेस ने हाल ही में बताया कि उनके पेरेंट्स शेखर से शादी के खिलाफ थे। क्योंकि शेखर कपूर करीब उनकी मां की उम्र के थे। ऐसे में एक्ट्रेस की मां ने सुचित्रा ने विनती की थी कि वह बेशक उनके साथ अफेयर करें, लेकिन शादी के बंधन में न बंधे।

फिल्म वेदा में जॉन अब्राहम संग एक्शन सीन करेंगी तमन्ना भाटिया

तमन्ना भाटिया निखिल आडवाणी की अगली निर्देशित फिल्म वेदा में एक्टर जॉन अब्राहम और शारवरी वाघ के साथ नजर आएंगी। हाई-ऑक्टेन एक्शन-ड्रामा वेदा की हाल ही में राजस्थान में अपनी शूटिंग शुरू हुई। कहा गया है कि फिल्म में पहले कभी न देखे गए सीन्स को दिखाया जाएगा। तमन्ना फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगी। इस कोलैबोरेशन को लेकर तमन्ना ने कहा, निखिल जिस तरह से अपनी कहानियां सुनाते हैं, मैं उनकी हमेशा से प्रशंसक रही हूं। उनमें एक हुनर है और उनकी ये काबिलियत बेहद प्यारी है। जॉन और मुझे भी पहली बार एक साथ काम करने का मौका मिला है। यह देखना निश्चित रूप से रोमांचक होगा कि मेरा किरदार क्या लाएगा! निखिल ने कहा, तमन्ना ने हमेशा शानदार परफॉर्मेंस दी है। जब मैंने इस स्पेशल रोल को निभाने के लिए उनसे संपर्क किया, तो मुझे खुशी हुई कि उन्होंने तुरंत इस फिल्म के लिए मेरे विजन पर भरोसा किया। मेरी टीम और मैं उन्हें हमारे साथ पाकर रोमांचित हैं।

बॉलीवुड | मसाला

जी स्टूडियों द्वारा बनाई जाएगी वेदा
वेदा निखिल आडवाणी द्वारा निर्देशित और असीम अरोड़ा द्वारा लिखित है, और ज़ी स्टूडियो, एम्मे एंटरटेनमेंट और जेए एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है।

दिव्यांका त्रिपाठी की वेब सीरीज द मैजिक ऑफ शिरी संकट में

छोटे पर्दे की लोकप्रिय अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी की वेब सीरीज द मैजिक ऑफ शिरी की रिलीज टल गई है। ये सीरीज गुरुवार से जियो सिनेमा पर स्ट्रीम होने वाली था लेकिन, अब दर्शकों को इस सीरीज को देखने के लिए और इंतजार करना पड़ेगा। इस सीरीज की स्ट्रीमिंग जियो सिनेमा पर क्यों नहीं हो रही है, इस बारे में जियो सिनेमा की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी ने साल 2019 में वेब सीरीज कोल्ड लस्सी और चिकन मसाला के जरिए ओटीटी प्लेटफार्म पर डेब्यू किया था। उनकी दूसरी वेब सीरीज द मैजिक ऑफ शिरी का प्रीमियर 13 जुलाई से जियो सिनेमा पर होने वाला था, लेकिन इसे अब कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया गया। इस सीरीज की शुरुआत जियो सिनेमा पर कब से होगी, अभी तक किसी निश्चित तारीख की घोषणा नहीं की गई है।

मिली जानकारी के मुताबिक जल्द ही इस सीरीज के नए तारीख की घोषणा की जाएगी। यानी कि दिव्यांका त्रिपाठी के फैंस को अभी द मैजिक ऑफ शिरी देखने के लिए और इंतजार करना पड़ेगा। वेब सीरीज द मैजिक ऑफ शिरी की कहानी एक घरेलू महिला के संघर्ष की कहानी है, जो घरेलू कामकाजी की दुनिया से निकलकर ऐसा काम करना चाहती है जिसमे उसकी दिलचस्पी है। इस सीरीज में दिव्यांका त्रिपाठी जादूगरनी का किरदार निभा रही हैं।

दिव्यांका त्रिपाठी कहती हैं, मैं इस सीरीज को लेकर काफी उत्साहित हूं, मुझे यकीन है कि इस सीरीज को परिवार के हर सदस्य पसंद करेंगे। लेकिन, अभी इस सीरीज को देखने के लिए दर्शकों को लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। 13 जुलाई से जियो सिनेमा पर इसका प्रीमियर होने वाला था, लेकिन इस सीरीज को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया है। सीरीज में दिव्यांका त्रिपाठी के अलावा नमित दास, हनिसा गहलोत, अंगद राज, नीलू कोहली और जावेद जाफरी की मुख्य भूमिकाएं हैं।

बॉलीवुड | गपशप

अजब-गजब | मदिरा बेचने पर 80 कोड़ों की दी जाती है सजा

यहां शराब पीने पर हो जाती है फांसी

यूरोप-अमेरिका के ज्यादातर देशों में शराब शौक और एंज्वॉय का प्रतीक है तो वहीं दुनिया में कई मुल्क ऐसे भी हैं, जहां शराब पीना अच्छा नहीं माना जाता। कई देशों में तो इस पर सख्त पाबंदियां हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे मुल्क के बारे में बताने जा रहे हैं जहां शराब पीने पर फांसी की सजा देने का प्रावधान है। यहां तक कि अगर कोई बेचता पाया गया तो उसे सार्वजनिक तौर पर 80 कोड़ों की सजा दी जाती है।

हम बात कर रहे भारत के पड़ोसी देशों में से एक ईरान की। यहां शराब को लेकर काफी सख्त कानून है। अल्कोहल का उत्पादन करना, बेचना, रखना और उसका उपयोग करना कानूनी तौर पर आपको अपराधी बना देगा। यदि आप शराब पीते समय या शराब ले जाते समय पकड़े जाते हैं, तो आपको कोड़े मारने, जुर्माना भरने या यहां तक कि जेल जैसी सजा का सामना करना पड़ेगा। यहां शराब पीने की कोई उम्र नहीं। इसलिए चाहे आपकी उम्र कितनी भी हो, आप इनमें से कोई भी काम करते पाए गए तो तुरंत गिरफ्तार किए जाएंगे। अगर कोई शख्स बार-बार इसी तरह के मामले में पकड़ा जाता है तो उसे फांसी तक दी जा सकती है।

अब बार-बार यह सवाल पूछा जाता है कि क्या ईरान जाने वाले पर्यटकों पर भी यह नियम लागू होगा, तो हम बता दें कि यह कानून सबके लिए बराबर है। यहां आपको कोई भी शराब की दुकान, नाइट क्लब या बार नहीं मिलेगा। अगर आप सोच रहे हैं कि किसी और देश से जा रहे हैं तो लेते जाएं और वहां व्यक्तिगत उपयोग करेंगे, तो आप ऐसा नहीं कर सकते क्योंकि शराब लाना कानूनन अवैध है। हवाई अड्डों पर सामान की जांच एक्स-रे से की जाती है, और आप पकड़े जाएंगे। चाहे आप ईरानी हों, पर्यटक हों, या गैर-मुस्लिम सभी के लिए यही कानून है। इतनी सख्त पाबंदियों के बावजूद कई ईरानी युवा शराब पीना पसंद करते हैं। ऐसी पार्टियां होती हैं जिनमें शराब परोसी जाती है। इसकी वजह से अवैध तरीके से शराब बनाई जाती है या दूसरे मुल्कों से उसकी तस्करी भी होती है। जहरीली शराब पीने से युवाओं की मौत भी हो रही है क्योंकि वे कानून के डर से डॉक्टर के पास नहीं जाते। उन्हें भय रहता है कि डॉक्टर के पास गए तो वह पुलिस को जानकारी दे देगा।

8 करोड़ की संपत्ति और लाखों की कमाई फिर भी रोड पर भीख मांगता है शख्स!

हमारी जिंदगी में क्या है और हम दूसरे को क्या देना चाहते हैं, ये हमारी मर्जी होती है। कुछ लोगों को दूसरों को कुछ देने में अच्छा लगता है तो कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिन्हें हमेशा मांगने में ही मज़ा आता है। हालांकि कई बार तो ऐसा भी होता है कि हम जिसे अपनी जेब के छुट्टे पैसे दान में दे रहे होते हैं, वो हमसे भी ज्यादा अमीर निकल जाता है। हैरान मत होइए, ऐसा एक भिखारी है, जो हमसे भी ज्यादा अमीर है, लेकिन रोड पर बैठा है।

अपने ही देश की कॉमर्शियल कैपिटल मुंबई में एक ऐसा भिखारी है, जो बिना कोई मेहनत किए इस वक्त करोड़ों की संपत्ति का मालिक है। हमारी दुनिया में ऐसे बहुत से लोग हैं, जो 400-500 रुपये के लिए पूरा दिन मेहनत करते हैं लेकिन ये भिखारी बिना किसी काम के रोज़ाना 2000-2500 रुपये लेकर घर जाता है। इस शख्स का नाम भारत जैन है और उसकी कहानी इतनी दिलचस्प है कि कोई भी इसे जानना चाहेगा। अगर आप भारत जैन की संपत्ति की बात करें तो उसके पास कुल 7.5 करोड़ की संपत्ति है। उसका एक 2 बेडरूम फ्लैट मुंबई में है, जिसकी कीमत 1.2 करोड़ रुपये है। उसकी 2 दुकाने हैं, जो थाने में 30 हज़ार रुपये महीना की दर से किराये पर चलती है। इससे उसकी मासिक इनकम 60 हज़ार से 75 हज़ार रुपये तक हो जाती है। इतनी कमाई सामान्य तौर पर किसी कॉर्पोरेट सेक्टर में काम करने वाले लोगों की होती है। भारत जैन की फॉर्मल एजुकेशन नहीं हुई है और उसने भीख मांगकर जिंदगी जीनी शुरू की थी। जैन खुद भले ही नहीं पढ़ा लेकिन उसके बच्चे कॉन्वेंट स्कूलों में पढ़े हैं। वे नौकरी भी करते हैं और उनके घर के हालात भी काफी अच्छे हैं। परिवार ने भारत जैन को कई बार भीख मांगने से रोका क्योंकि वे अच्छी जिंदगी जी सकते हैं लेकिन वो नहीं माना। वो आज भी सड़क पर भीख मांगकर पैसे लेता है। साल 2015 में इस शख्स की कहानी वायरल हो गई और लोग उसे दुनिया का सबसे अमीर भिखारी कहने लगे।

बिहार में लोकतंत्र को अपने बूटों तले रौंद रहे नीतीश : अनुराग

विरोध प्रदर्शन में भाजपा नेता की मौत पर केंद्रीय मंत्री ने सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार में विरोध प्रदर्शन के दौरान लाठीचार्ज में हुई भाजपा नेता की मौत हो जाने से बिहार समेत पूरे देश में बवाल मचा हुआ है। भाजपा नेता बिहार सरकार के खिलाफ हमलावर हैं। वहीं अब इस मामले में केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी बिहार सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव ने बिहार में लोकतंत्र को अपने बूटों तले रौंद दिया है।

भाजपा सांसद और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि बिहार के जंगलराज के खिलाफ भाजपा नेता शांति से पटना में प्रदर्शन कर रहे थे। इस दौरान पुलिस ने भाजपा नेताओं के खिलाफ लाठीचार्ज कर दिया। लाठीचार्ज में जहानाबाद जिले के महामंत्री विजय सिंह की बर्बरतापूर्वक हत्या कर दी गई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव ने लोकतंत्र को बूटों तले रौंद दिया है। नीतीश सरकार के कहने पर बर्बरतापूर्वक कार्रवाई हुई है। ऐसी कार्रवाई लोकतंत्र में माफी के लायक नहीं है। बिहार की जनता इसे नहीं भूलेगी। बिहार की जनता आपको इसके लिए कभी माफ नहीं करेगी।

शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा दिलाने की मांग कर रहे थे भाजपा नेता

गुरुवार को भाजपा कार्यकर्ता शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा दिलाने की मांग के लिए विधानसभा तक मार्च कर रहे थे। इस दौरान डाकबंगला चौराहे पर तैनात पुलिस ने भाजपा नेताओं को प्रदर्शन खत्म कर पीछे हटने के लिए कहा। लेकिन भाजपा नेताओं ने पुलिस की बात नहीं मानी। इसके बाद पुलिस ने कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज कर दिया। पुलिस ने भाजपा कार्यकर्ताओं को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। आंसू गैस के गोले भी दागे गए। वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया गया। इस दौरान विजय सिंह की मौत हो गई। जबकि कई भाजपा नेता घायल हो गए।

संजय राउत का शिंदे-फडणवीस पर हमला, कहा-

आप करें तो कूटनीति हम करें तो बेईमानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» उद्धव गुट और शिंदे सरकार में जारी है जुबानी जंग

मुंबई। एनसीपी में टूट होने के बाद महाराष्ट्र की सियासत में लगातार हलचल मची हुई है। भाजपा, एकनाथ शिंदे और उद्धव गुट के बीच लगातार आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। इस बीच अब मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आरोपों का जवाब देते हुए संजय राउत ने सीएम शिंदे पर हमला बोला है।

राउत ने कहा कि देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे, इन दोनों ने कल कूटनीति की बात की है कि हम एनसीपी के साथ गए हैं तो ये कूटनीति है। 2.5 साल पहले हमने एनसीपी और कांग्रेस के साथ जो गठबंधन किया था, वो क्या था? आप जो करें वो कूटनीति और हम जो करें वो क्या बेईमानी है? आप बेईमान हैं और आप जैसे लोगों को सत्ता से दूर रखने के लिए हमने भी 2019 में वही कूटनीति की थी जो आप अभी कर रहे हैं। सांसद राउत ने कहा कि हमने जो किया वह धर्म है, अधर्म नहीं। महाभारत हमें बताता है कि यह अधर्म नहीं, कूटनीति है। जब भी बेईमानी होगी, कूटनीति का इस्तेमाल करना होगा। यह बात राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने कल एक कार्यकर्ता बैठक में कही। उनके इस बयान पर ठाकरे समूह के प्रवक्ता संजय राउत ने कड़ा जवाब दिया है। उन्होंने सवाल पूछा कि वह कौन सी कूटनीति थी जो आपने की और हमने की?

असम में बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी में बिस्वा सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुरुवार को कहा- राज्य सरकार बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने की योजना बना रही है। अगले विधानसभा सत्र में इससे जुड़ा विधेयक पेश किया जाएगा।

हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि हम राज्य में बहुविवाह पर तुरंत बैन लगाना चाहते हैं। सितंबर में होने वाले विधानसभा सत्र में इसे बैन करने का विधेयक पेश करेंगे। अगर किसी वजह से इस सत्र में बिल नहीं ला पाए तो इसे जनवरी में सदन में पेश किया जाएगा। ये बातें उन्होंने गुवाहाटी में मीडिया से बात करते हुए कहीं। असम के सीएम का यह बयान ऐसे समय में आया है जब देश में समान नागरिक संहिता पर बहस चल रही है। इस दौरान उन्होंने यूसीसी का भी करने समर्थन करने की बात कही। सीएम बोले कि लॉ कमीशन ने इसके लिए लोगों से सुझाव मांगे हैं, संसद में इसे लागू करने के बारे में फैसला लिया जाएगा। राज्यों का भी इसमें योगदान होगा। अगर यूसीसी आ गया तो यह हमें कार्रवाई करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने वाला कानून यूसीसी में विलय हो जाएगा। इस दौरान मीडिया ने सरमा से यूसीसी पर कांग्रेस के रुख पर सवाल किया। जवाब में असम के मुख्यमंत्री ने कहा-क्या कोई कांग्रेस का नेता अपनी बेटी ऐसे पुरुष को देगा जिसकी पहले से ही 2 पत्नियां हों? कांग्रेस मुस्लिम महिलाओं का दुख नहीं समझ रही है, सिर्फ मुस्लिम पुरुषों के लिए काम कर रही है।

एबीवीपी ने कुलपति को सौंपा मांग पत्र

» शैक्षणिक समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाने का किया आह्वान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, लखनऊ विश्वविद्यालय इकाई के कार्यकर्ताओं ने लखनऊ विश्वविद्यालय में व्याप्त विभिन्न शैक्षणिक समस्याओं के समाधान हेतु कुलपति को मांग पत्र सौंपा। सात सूत्रीय मांग पत्र में परीक्षाओं व परिणाम संबंधित समस्याओं सहित स्मार्टफोन एवं टैबलेट वितरण योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की मांग शामिल है।

एबीवीपी ने मांग की कि विभिन्न सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम में बड़ी संख्या में आंतरिक मूल्यांकन में उपस्थित छात्र-छात्राओं को अनुपस्थित दर्शाया गया है। इस दुर्भाग्यपूर्ण परंपरा को बंद कर संशोधित परिणाम यथाशीघ्र जारी किया जाए।

साथ ही बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के छात्रों को डिजीशक्ति योजना का लाभ नहीं प्राप्त हुआ है, स्मार्टफोन एवं टैबलेट वितरण का लाभ विद्यार्थियों को शीघ्र मिल सके यह सुनिश्चित हो।

एक हफ्ते का दिया समय, वर्ना करेंगे आंदोलन

इकाई मंत्री अभिषेक मिश्र ने कहा की समस्याओं का समाधान करने हेतु एक सप्ताह का समय दिया गया है, अन्यथा छात्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगें। कुलपति ने छात्र छात्राओं से बातचीत कर यथाशीघ्र समाधान की बात कही। इस अवसर पर इकाई अध्यक्ष जयवृत राय, अक्षय प्रताप सिंह, जतिन शुक्ला, अदिति सिंह, अंकुर, उज्ज्वल, मयंक, हमजा, शाश्वत, उत्कर्ष एवं ऋतुराज, दिव्यांश सहित अभाविप कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत का 'यशस्वी' प्रदर्शन

» अपने डेब्यू टेस्ट में यशस्वी जयसवाल ने लगाई रिकॉर्डों की झड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

डोमिनिका। वेस्टइंडीज के खिलाफ डोमिनिका में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में भारत ने अपना शिकंजा मजबूत कर लिया है। दो दिन का खेल खत्म होने के बाद भारत का स्कोर दो विकेट पर 312 रन है। लेकिन इस मैच को यादगार बनाया अपना पहला अंतर्राष्ट्रीय मैच खेल रहे सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल ने। यशस्वी ने अपने पहले ही टेस्ट मैच में शानदार शतक जमाकर कई कीर्तिमान अपने नाम कर लिए हैं। वो अभी भी 143 रन बनाकर नाबाद खड़े हैं। यशस्वी ने कप्तान रोहित शर्मा के साथ मिलकर 229 रनों की रिकॉर्डतोड़ साझेदारी की। रोहित 104 रन बनाकर आउट हुए।

यशस्वी ने सैकड़ा लगाकर रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। वह डेब्यू टेस्ट में शतक लगाने वाले भारत के 17वें बल्लेबाज हैं। यशस्वी जयसवाल विदेश में पहली ही टेस्ट में शतक बनाने वाले पहले भारतीय सलामी बल्लेबाज भी बन गए हैं। तो वहीं यशस्वी डेब्यू टेस्ट में शतक लगाने वाले भारत के तीसरे ओपनर हैं। उनसे पहले शिखर धवन ने 2013 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मोहाली और पृथ्वी शॉ ने 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ राजकोट में ऐसा किया था। इतना ही नहीं वह वेस्टइंडीज के खिलाफ डेब्यू करते हुए शतक जड़ने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। रोहित शर्मा ने 2013 में कोलकाता में 177 रन बनाए थे। वहीं, पृथ्वी शॉ ने राजकोट में 2013 में 134 रन बनाए थे।

तोड़ा सचिन का रिकॉर्ड

बता दें कि यशस्वी घरेलू क्रिकेट में 80.21 की दमदार औसत से टीम इंडिया में टेस्ट डेब्यू करने वाले तीसरे बल्लेबाज भी बने हैं। सचिन ने जब भारतीय टीम के लिए टेस्ट डेब्यू किया था। उस समय उनका घरेलू क्रिकेट में 70.18 का औसत था। सबसे अधिक 88.37 के औसत के साथ घरेलू क्रिकेट में रन बनाने के बाद टेस्ट डेब्यू करने का रिकॉर्ड विनोद कांबली के नाम है।

इंडीज के खिलाफ पहले विकेट के लिए हुई सबसे बड़ी साझेदारी

रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल की ओपनिंग जोड़ी वेस्टइंडीज के खिलाफ सबसे अधिक रन की साझेदारी करने वाली भारतीय जोड़ी बन गई। रोहित-यशस्वी ने मिलकर 229 रनों की रिकॉर्डतोड़ साझेदारी की। दोनों ने सहवाग और संजय बांगर का रिकॉर्ड तोड़ा। बांगर और सहवाग की जोड़ी ने 2002 में मुंबई में 201 रन की साझेदारी की थी। सहवाग और जाफर ने 2006 में ग्रॉस आइसेल में 159 रन जोड़े थे। 1978 में सुनील गावस्कर और चेतन चौहान की जोड़ी ने मुंबई में 153 रन की साझेदारी की थी। वहीं, 1976 में गावस्कर और अंशुमान गायकवाड़ की जोड़ी ने किंगस्टन में 136 रन जोड़े थे।

अपनी भाषा में आराधना करने से होता है ईष्ट से सीधा संवाद : सीएम योगी

मुख्यमंत्री ने किया श्रीमद् देवी भागवत महापुराण की भावपूर्ण व्याख्या सहित डॉ. समीर त्रिपाठी के स्वर में संगीतमय प्रस्तुति का विमोचन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मेधज एस्ट्रो के सीएमडी डॉ. समीर त्रिपाठी द्वारा अपनी आवाज में श्रीमद् देवी भागवत महापुराण की संगीतमय भावपूर्ण व्याख्या की गई। जिसका विमोचन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा किया गया। संत तुलसीदास द्वारा रचित श्रीरामचरितमानस को पहले ही मेधज एस्ट्रो द्वारा यूट्यूब पर सस्वर गायन के माध्यम से करोड़ों श्रोताओं तक पहुंचाया जा चुका है। सीएम योगी ने श्रीमद् देवी भागवत महापुराण की भावपूर्ण व्याख्या सहित डॉ. समीर त्रिपाठी के स्वर में संगीतमय प्रस्तुति के विमोचन पर कहा कि जब हम अपनी भाषा में अपने ईष्ट की आराधना के दौरान दो शब्द कहते हैं, तो मान्यता है कि ईष्ट से उसका सीधा संवाद होता है।

सीएम योगी ने कहा कि बताया जाता है कि जब संत तुलसीदास ने संस्कृत में आधुनिक रामायण लिखने का प्रयास किया, तो ग्रंथ हमेशा नष्ट हो जाता था। अंतत: काशी में स्वयं भगवान विश्वनाथ ने दर्शन देकर उन्हें संस्कृत नहीं, लोक भाषा में रचना करने को कहा। उस समय लोक भाषा के रूप में अवधी को महत्व दिया गया और तुलसीदास काशी से अयोध्या आए। उन्होंने राम चरित्र मानस को अवधी में लिखना प्रारंभ किया। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि एक ओर, जब मुगल आक्रांता भारत के सनातन धर्म और संस्कृति को नष्ट करने के लिए उतावले दिख रहे थे, तो उस समय गांव-गांव में रामलीलाओं के आयोजन किए जा रहे थे। यह रामचरित्र मानस की प्रेरणा को दर्शाता था।

शब्द अपने आप में है एक मंत्र

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि शब्द शुद्ध और नियत हों तो वह ब्रह्म का प्रतीक होते हैं। शब्द अपने आप में एक मंत्र है। शब्द को भारतीय मनीषा में हमेशा महत्व दिया गया है। हमेशा इस बात को माना गया है कि हर अक्षर, शब्द में मंत्र बनने का सामर्थ्य है। उस शब्द को बोला कैसे जा रहा है और उस शब्द को व्यक्त करने का तरीका क्या है यह वक्ता पर निर्भर करता है इसलिए शब्द को ब्रह्म के रूप में मान करके जब हम उसका अनुसंधान और अनुष्ठान करते हैं तो वह अपने आप में मंत्र बनता है। इस कार्यक्रम में मेधज एस्ट्रो के सीएमडी समीर त्रिपाठी, उनके माता रेखा त्रिपाठी, अलका त्रिपाठी, गुंजन त्रिपाठी, एसटीएफ के अपर पुलिस महानिदेशक के अमिताभ यश आदि मौजूद रहे।

सिर्फ भारत में साल में दो बार होती है शक्ति की आराधना

सीएम योगी ने कहा कि रामलीला में आज भी जाति-वर्ण को पीछे छोड़कर सब एकजुट होकर उसका मंचन करते हैं। यह जन चेतना की जागरूकता को दर्शाता है। पूरी दुनिया में भारत ही ऐसा देश है जहां साल में दो बार शक्ति की आराधना की जाती है। उसी शक्ति को हम अपने जीवन में अंगीकार कर सकें इसलिए हमारे यहां अनुष्ठान, गोत्र और उपासना का महत्व है। यह मान्यता है कि विश्व में जो भी शक्ति है, वह देवी के रूप में है। हम जगत जननी मां भगवती, दुर्गा, मां सरस्वती, मां लक्ष्मी और महाकाली के रूप में उनकी आराधना कर सकते हैं। शक्ति की उपासना सनातन हिंदू धर्मावलंबी पौराणिक काल से ही करता आया है। हर एक काल, खंड में स्वरूप बदले होंगे, लेकिन हम सभी रूपों की आराधना करते आए हैं। उसका एक रूप आज यूट्यूब में रुचि रखने वाले उन सभी दर्शकों और श्रोताओं के लिए मेधज एस्ट्रो एक नए रूप में उपलब्ध करवाया जा रहा है।

फोटो: सुमित कुमार

सफाई महाअभियान

प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने नगर आयुक्त के साथ आशियाना में नेबरहुड पार्क सेक्टर-डी, हिंद नगर में नगर सफाई महाअभियान की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने खुद नाले की सफाई की।

सुप्रीम कोर्ट को मिले दो नए न्यायाधीश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र की मंजूरी मिलने के बाद आज सुप्रीम कोर्ट को दो नए न्यायाधीश मिल गए हैं। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने जस्टिस उज्ज्वल भुइयां और जस्टिस एस. वेंकटनारायण भट्टी को सुप्रीम कोर्ट के जजों के तौर पर शपथ दिलाई।

चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने दिलाई शपथ

इसके साथ ही सर्वोच्च न्यायालय में चीफ जस्टिस समेत कुल जजों की संख्या बढ़कर 32 हो गई है, जो कि सुप्रीम कोर्ट कुल 34 जजों की क्षमता से फिलहाल दो कम है। सुप्रीम कोर्ट के ऑडिटोरियम में आयोजित शपथग्रहण समारोह में चीफ जस्टिस ने दोनों जजों को शपथ दिलाई।

मदद के लिए दिल्ली पहुंची सेना व एनडीआरएफ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारी बारिश व हिमाचल प्रदेश से छोड़े गए पानी की वजह से राजधानी दिल्ली में यमुना नदी का जस स्तर काफी ज्यादा बढ़ गया है। जिसके चलते पूरी दिल्ली में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं।

आलम ये है कि दिल्ली सरकार द्वारा तमाम हथकंडे अपनाने के बाद भी स्थिति पर नियंत्रण नहीं पाया जा पा रहा है और बढ़ा जैसे हालात लगातार बढ़ते जा रहे हैं। पानी लोगों के घरों से लेकर अब लाल किले तक पहुंच चुका है। पानी लगातार शहर में बढ़ रहा है और अब सरकारी कार्यालयों और लोगों के घरों तक पहुंच रहा है। आईटीओ के पास ड्रेन रेगुलेटर टूटने के कारण पानी पूरे शहर में घुस रहा है। यमुना में बाढ़ के कारण कई जगहों पर यातायात के लिए मार्ग बदले गए। इस वजह से भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई है। हालांकि, अब यमुना का जलस्तर कम हो रहा है, लेकिन संकट अभी भी बरकरार है। भारी बारिश के बाद दिल्ली में यमुना खतरे के निशान से ऊपर बह रही है।

सिर्फ चुनाव के वक्त याद आता है यूसीसी : ओवैसी

एआईएमआईएम चीफ ने कहा- हम पर थोपा जा रहा यूनिफॉर्म सिविल कोड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूनिफॉर्म सिविल कोड यानी कि यूसीसी को लेकर लगातार बहस छिड़ी हुई है। इस बीच एआईएमआईएम चीफ और सांसद असदुद्दीन ओवैसी लगातार इसे लेकर अपनी बात रख रहे हैं और इसकी पुरजोर खिलाफत कर रहे हैं। आज एक बार फिर असदुद्दीन ओवैसी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि हमने लॉ कमीशन को अपना रेस्पॉन्स और उसके साथ रिटायर्ड जस्टिस गोपाल गौड़ा का लीगल ओपिनियन भी भेजा है। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के वकील निजाम पाशा ने इस रेस्पॉन्स को तैयार करने में मदद की।

ओवैसी ने लॉ कमीशन के नोटिफिकेशन पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि नोटिफिकेशन में लॉ कमीशन ने लोगों से उनके विचार पूछे हैं, कोई प्रपोजल नहीं दिया है। ओवैसी ने मोदी सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा कि लॉ कमीशन पांच साल के बाद फिर से यूसीसी पर एक्सरसाइज कर रहा है। उन्होंने कहा कि हर चुनाव से पहले ये होता है, ताकि बीजेपी को आने वाले चुनावों में फायदा हो सके।

पॉलिटिकल एक्सरसाइज है यूसीसी

एआईएमआईएम चीफ ओवैसी ने कहा कि हमारा मानना है कि ये पॉलिटिकल एक्सरसाइज है। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए है ताकि लोकसभा चुनाव से पहले जनता का ध्यान महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, चीन जैसे मुद्दों से हट जाए। उन्होने कहा कि उत्तराखंड में यूसीसी लागू करने के लिए जो कमेटी बनाई गई है, वो आर्टिकल 44 का सीधा उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि इस्लाम में कबूल है बोलते हैं, जबकि हिंदुओं में ऐसा नहीं है। जब रिचुअल पूरा हो जाता है तो शादी पूरी मानी जाती है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम पर्सनल लॉ में महिलाओं को शादी टूटने पर ज्यादा अधिकार हासिल हैं। असदुद्दीन ओवैसी ने दावा करते हुए कहा कि इस्लाम में सबसे पहले महिलाओं को प्रॉपर्टी में हिस्सा दिया गया। इस्लाम में महिला को पति और पिता दोनों से प्रॉपर्टी मिलती है। इस्लाम में बीवी की कमाई में पति का कोई हिस्सा नहीं होता है। हिंदू महिलाओं की ये सब हासिल नहीं है।

पॉलिटिकल प्रोपेगेंडा का हिस्सा न बने लॉ कमीशन

ओवैसी ने कहा कि यूसीसी पर चल रही बहस बहुसंख्यक समुदाय के विचारों को थोपने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि हम लॉ कमीशन से गुजारिश करते हैं कि वो पॉलिटिकल प्रोपेगेंडा का हिस्सा न बने। उन्होंने कहा कि जस्टिस गोपाल गौड़ा के मुताबिक, राज्य (उत्तराखंड) यूसीसी नहीं बना सकता है। उन्होंने दावा किया कि उत्तराखंड का यूनिफॉर्म सिविल कोड अदालतों में कानूनी रूप से मान्य नहीं हो सकता है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।